कृषि विज्ञान केन्द्र, रामगढ़ के द्वारा जतराटांड़–करमा गॉवं में जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया

कृषि विज्ञान केन्द्र, रामगढ़ के द्वारा शनिवार को डी.बी.टी. बायोटेक–किसान परियोजना के अंतर्गत मांडू प्रखण्ड के जतराटांड़–करमा गॉव में जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में किसानों के बीच भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, पटना से आये कृषि वैज्ञानिक डॉ पवन जीत, डॉ. एन. राजू सिंह एवं वरीय तकनीकी सहायक मनोज सिन्हा नें पूर्वी पहाड़ी और पठारी कृषि–जलवायु क्षेत्र में कृषि वानिकी को पर्याप्त पानी की आपूर्ति के लिए जल प्रबंधन तकनीक के बारे में विस्तृत रूप से समझाया। साथ ही साथ सिंचाई जल कि कमी हो जाने के कारण होने वाली समस्या एवं उसके समाधान के बारे में बताया। उन्होंने ने कहा कि पानी को संरक्षित यानी कि जल संरक्षण के विषय में हमें जल्द से जल्द सोचना होगा। जल के संरक्षण के लिए पलवार (मल्चींग), डोभा और टपक सिंचाई मुख्य तकनीक को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया गया। भारतीय प्राकृतिक रॉल एवं गोंद संस्थान, नामकुम, रॉची के वैज्ञानिक ई. रंजीत सिंह ने खाद प्रसंस्करण के बारे में बताया। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. धर्मजीत खेरवार ने किसानों को वर्षा जल संचयन एवं इसके उपयोग खेती में करने पर बल दिया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, पटना से आये वैज्ञानिक डॉ. एन. राजू सिंह ने किसानों के बीच कहा की कृषि वानिकी समय की मांग है। अतः कृषकों को जल संचयन के लिए इस तकनीक को अपनाना चाहिए। पहाड़ी और पठारी कृषि–जलवायु क्षेत्र में कृषि वानिकी को अपनाने से खाद्यान्न, जल, सब्जियां, चारा, खाद, गोंद आदि अनेक वस्तुएं उपलब्ध होगी। यह अभियान गॉव के 50–60 किसान के बीच किया गया।